

करने, कार्य दिवसों में वृद्धि करने के फल-स्वरूप यह आशा की जाती है कि 1983-84 के दौरान कम से कम 10500 लाख अदद सिक्कों का उत्पादन होगा जब कि 1982-83 के दौरान 6600 लाख अदद सिक्कों का और 1981-82 के दौरान 5250 लाख अदद सिक्कों का उत्पादन हुआ था। 1983-84 के पहले 10 महीनों के दौरान वास्तविक उत्पादन पहले ही 8515.8 लाख अदद तक पहुंच चुका है। आशा की जाती है कि मौजूदा वर्ष में सिक्कों की संभावित उत्पादन वृद्धि से स्थिति पर्याप्त रूप में सुगम हो जाएगी। दीर्घावधिक उपाय के रूप में, कलकत्ता टकसाल में एक दूसरी पारी शुरू करने का निश्चय किया गया है जिससे प्रति वर्ष 3600 लाख अदद सिक्कों का अतिरिक्त उत्पादन होने की आशा है।

एक रुपये के नोटों की कमी :

1975 से, जब कुप्रोनिकल के एक रुपये के सिक्के चालू किये गये थे, परिचालन के लिए अधिकाधिक संख्या में एक रुपये के सिक्के जारी किये जा रहे हैं। अप्रैल, 1983 के अन्त तक परिचालन में कुप्रोनिकल के एक रुपये के सिक्कों की संख्या 12580 लाख अदद तक पहुंच गई थी। वर्ष 1982-83 में दो रुपये के 310 लाख सिक्कों का उत्पादन भी किया गया और ये (1982-83 के दौरान अथवा बाद में) भारतीय रिजर्व बैंक को प्रदान किये गये। मौजूदा वर्ष में एक और दो रुपये के 2450 लाख अदद सिक्कों के उत्पादन का लक्ष्य है, इनमें से 1470 लाख अदद एक रुपये के सिक्के होंगे और शेष 2 रुपये के सिक्के होंगे। एक रुपये के नोटों और सिक्कों को मिला कर इनकी कुल पूर्ति 1-4-75 के 29820 लाख से बढ़ कर 30-4-1983 में 37760 लाख तक पहुंच गई थी। इसी

प्रकार, परिचालन में दो रुपये के नोटों की संख्या 2976 लाख अदद से बढ़ कर 30-4-1983 तक 21326 लाख अदद तक पहुंच गई थी।

एक रुपये के नोटों के परिचालन में कमी सरकार द्वारा अप्रैल, 1982 में किये गये इस निश्चय के अनुपालन में की गई थी कि एक रुपये और दो रुपये के सिक्कों की उपलब्धता में वृद्धि करके एक रुपये के और दो रुपये के नोटों को क्रमशः हटा दिया जाए। इन्हें, नोटों को प्रतिस्थापित करने के लिए उपयुक्त संख्या में एक और दो रुपये के सिक्कों की उपलब्धता का सुनिश्चय करने के बाद क्रमिक रूप में हटाने का विचार है। सरकार ने इन नोटों की कमी के सम्बन्ध में जनता से प्राप्त शिकायतों को दृष्टिगत रखते हुए दिसम्बर, 1984 तक एक रुपये और दो रुपये के नोटों के उत्पादन के स्तर में कमी न करने का हाल ही में निश्चय किया है।

Construction of Airport at Ajmer

*46. SHRI SHAMIM AHMED SIDDIQI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to construct an airport at Ajmer which is visited every year by thousands of pilgrims from all parts of the country and also from foreign countries;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KHURSHED ALAM KHAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The Department of Civil Aviation constructs aerodromes to cater to the operational needs of Indian Airlines, Air India and Vayudoot. Neither Indian Airlines nor Vayudoot, the domestic carriers, have any plans at present to operate to Ajmer. In view of this, the Civil Aviation Department has no plans for the construction of an aerodrome at Ajmer in the immediate future.

गुजरात में बन्द कपड़ा मिलें

47. श्री मोर्जा ईशदिबेग ऐयुबबेग :
श्री बिट्ठलभाई भोतीराम पटेल :

क्या वाणिज्य मंत्री 6 दिसम्बर, 1983 को राज्य सभा में अतारंकित प्रश्न 1609 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात में सात बन्द कपड़ा मिलों को हाथ में लेने का निर्णय कर लिया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या है ?

वाणिज्य तथा पूति मंत्री
(श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) :

(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Rise in price index

*48. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that price index rose by 54 points during the period from January to November, 1983;

(b) whether it is also a fact that prices of all the items of daily use, such as milk, oil, sugar, rice, flour, soap, pulses, tea, registered a rise adversely affecting the budget of the common man; and

(c) if so, what steps Government have taken to contain the prices of items of daily use?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE): (a) to (c). The Hon'ble Member is presumably referring to the Consumer Price Index for Industrial Workers' (Base 1960—100) for Delhi which increased by 54 points from 509 in December, 1982 to 563 in November, 1983. The prices of the items mentioned rose by varying amounts except in the case of flour for which there was no change in price during the period. However, index for December, 1983 for the Delhi Centre (latest available) declined by 2 points from 563 to 561.

The Government has taken a number of steps to contain price rise, acting on both the supply side and the demand side. The measures include *inter alia*, strengthening of the public distribution system, larger releases of foodgrains, sugar and edible oils, augmentation of domestic supply by imports for essential items such as rice, wheat and edible oil, ban on export of CTC tea and mopping up of excess liquidity from the banking system. In January, 1984, the Government introduced a package of measures aimed at strengthening fiscal discipline.